प्रदर्शन | स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कटंगी-चरगुवां मार्ग की दुर्दशा पर फूटा गुस्सा

नवभारत, कटंगी, जबलपुर। कटंगी से चरगुवां, दोहरा, कुंडा और अकोना को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पिछले लंबे समय से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। सड़क की गंभीर और जर्जर हालत से परेशान होकर आज शनिवार को स्थानीय ग्रामीणों और स्कूली बच्चों का गुस्सा फूट पड़ा। शनिवार की प्रात: 9.30 बजे से ही क्षेत्र के सैंकड़ों लोग सड़क पर उतर आए और आवागमन पूरी तरह बंद कर चक्काजाम कर दिया।

इस आंदोलन में मुख्य रूप से चरगवां, दोहरा, कुंडा, अकोना, देगुवा तथा कटंगी के स्थानीय लोग और भारी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सभी ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क निर्माण की मांग की।

कीचड़ और गड्ढों के दलदल में तब्दील हुआ मार्ग

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह मार्ग पूरी तरह से मिट्टी और गहरे गड्ढों के कारण दलदल में तब्दील हो चुका है। बारिश के दिनों में स्थिति इतनी बदतर हो जाती है कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी रोजाना स्कूल आने-जाने वाले बच्चों, राहगीरों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। आए दिन मोटर साइकिल सवार इस कीचड़ में फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी प्रशासन द्वारा सड़क की मरम्मत को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

तहसीलदार को लिखित में दी चेतावनी

चक्काजाम की सूचना मिलते ही कटंगी तहसील के तहसीलदार मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने तहसीलदार को अपनी गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। क्षेत्रवासियों ने तहसीलदार को एक लिखित आवेदन सौंपकर सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस सड़क का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे इससे भी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर कुर्मी सेवा संस्थान ने रोपा पौधा

बेलखाड़ू, नवभारत। कुर्मी सेवा संस्थान के तत्वावधान में ग्राम रोझा में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्ष लगाए गए जो समाज के नाम पर थे । उसके पश्चात ग्राम उजरोड में वृक्षारोपण किया गया जिसमें समाज गीत के साथ सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रचलन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ । समाज के गीत का वचन सुशील पटेल द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन कामता पटेल द्वारा किया गया सभी लोग ने वृक्ष के महत्व को बताया, प्रकृति को संवारने हेतु वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। मानव जीवन के लिए वृक्ष बहुत ही उपयोगी हैं वेद शास्त्रों में भी वृक्षों रक्षति रक्षिता से प्रकृति संचित होती है ।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं कुर्मी सेवा संस्थान के अध्यक्ष चौधरी नारायण सिंह, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष विवेक पटेल, जिला अध्यक्ष राज किशोर पटेल, नगर अध्यक्ष विजय पटेल, इंजीनियर महेश पटेल, सुजीत पटेल, द्वारका पटेल, हरि पटेल, अजय पटेल, डीपी पटेल आदि उपस्थित रहे । सभी ने संस्थान द्वारा आयोजित इस पौधरोपण कार्यक्रम की प्रशंसा की।

एक नजर में

मानसूनी गश्त में मिला वन्यजीव का कंकाल

चिल्हारी नवभारत 11 जुलाई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसूनी गश्त के दौरान मांसाहारी वन्यजीव का कंकाल मिला, जिसे प्रारंभिक जांच में बाघ का माना जा रहा है। एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत जांच, नमूना संग्रह और दस्तावेजीकरण के बाद कंकाल का अंतिम संस्कार किया गया। अब वैज्ञानिक रिपोर्ट से ही प्रजाति और लिंग की अंतिम पुष्टि होगी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान चल रही विशेष गश्त के बीच वन विभाग को एक ऐसी सूचना मिली जिसने पूरे अमले को सतर्क कर दिया। ताला परिक्षेत्र के मझखेता बीट के घने और दुर्गम जंगल में गश्त कर रही टीम को एक मांसाहारी वन्यप्राणी का कंकाल मिला। प्रारंभिक जांच में वन्यजीव विशेषज्ञों ने इसे बाघ का कंकाल होने की आशंका जताई, जिसके बाद पूरे मामले में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई। घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई-बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 9 जुलाई को मानसूनी गश्त के दौरान यह कंकाल मिला। घटनास्थल की बारीकी से जांच की गई। किसी भी तरह के भौतिक साक्ष्य छूट न जाएं, इसके लिए डॉग स्क्वाड की मदद से आसपास का क्षेत्र खंगाला गया। वहीं मेटल डिटेक्टर से भी जांच कर संभावित साक्ष्यों की तलाश की गई।

प्रीतमलाल रजक का निधन

नवभारत, जबलपुर। चेरीताल वार्ड, तुलसी नगर निवासी

प्रीतमलाल रजक का शनिवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा आज रविवार को उनके निवास स्थान से सुबह 10 बजे रानीताल मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी। वे प्रिंस रजक के पिता थे।

काशी एक्सप्रेस के एसी-2 कोच में लाखों की चोरी

जबलपुर। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से गोरखपुर जा रही गाड़ी संख्या 15017 काशी एक्सप्रेस के एसी-2 कोच में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। मुंबई निवासी अनीता पाठक अपने परिवार के साथ कोच ए-2 की सीट नंबर 3 पर यात्रा कर रही थीं करीब 5 बजे उनकी नींद खुली तो सीट के पास रखा पर्स गायब मिला। काफी तलाश के बाद पर्स ट्रेन के बाथरूम में मिला, लेकिन उसमें रखे करीब 15 तोला सोने के जेवर और 50 हजार रुपये नकद चोरी हो चुके थे। इतना ही नहीं, चोर ने महिला का मोबाइल फोन फ्लाइट मोड पर डाल दिया था ताकि उसकी लोकेशन का पता न चल सके। प्रयागराज जंक्शन पहुंचने पर पीड़िता ने जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई। घटना ने रेलवे के एसी कोचों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस कोच को सबसे सुरक्षित माना जाता है, वहीं यात्री की सीट के पास से लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी हो जाना सुरक्षा में बड़ी चूक माना जा रहा है। मोबाइल को फ्लाइट मोड पर डालने के तरीके से आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया और ट्रेन में पहले से रेकी कर रहा था। इस घटना के बाद यात्रियों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे

प्रयागराज जीआरपी ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में घटनास्थल जबलपुर रेल मंडल के अधिकार क्षेत्र में आने के कारण केस डायरी जबलपुर जीआरपी को भेजी जा रही है। अब मामले की आगे की जांच, सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और संदिग्धों की तलाश जबलपुर जीआरपी द्वारा की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने भी यात्रियों से यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

डायवर्सन मार्ग नहीं बनने से आवागमन में परेशानी

फ्लाईओवर बनाने वाले ठेकेदार की लापरवाही

नवभारत नौरोजाबाद 11 जुलाई। जिले के नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन के पास देवग़वां समपार में फ्लाईओवर बनाने का कार्य संबंधित ठेकेदार के द्वारा लगभग 1 वर्ष से किया जा रहा है, लेकिन वाहनो के आवागमन के लिए डायवर्सन सड़क नहीं बनाई गईं है, जिससे आवागमन करने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार ठेकेदार द्वारा लापरवाही के कारण बरसात के मौसम में सड़क के किनारे काली मिट्टी होने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बारिश के मौसम में प्रतिदिन कोई न कोई वाहन फंस जाता है, जिस कारण जाम लगने की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

इस मार्ग पर दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है

सबसे ज्यादा परेशानी रात में होती है। रात में निकलने वाले बड़े वाहन और छोटे वाहन सड़क स्थिति का आकलन नहीं कर पाते, जिससे जाम लगता है। नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन से नौरोजाबाद कालरी होते हुए डिंडोरी तक जाने का यही एक मार्ग है, जिसके कारण इस मार्ग पर दिन रात वाहनों की आवाजाही लगी रहती है।

कभी हो सकती हैं बड़ी दुर्घटना

इसके अलावा नौरोजाबाद कालरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो के लोग ट्रेन पकड़ने नौरोजाबाद स्टेशन जाते है कई यात्रियों की तो जाम में फंसने से ट्रेन भी छूट गईं। अगर समय रहते ठेकेदार द्वारा डायवर्सन सड़क का निर्माण नहीं कराया जाता तो कभी भी कोई घटना हो सकती है। इतना ही नहीं सड़क के किनारे ठेकेदार द्वारा सड़क खोदक़र बड़े बड़े गड्ढे बना दिए गए है, जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता रैली निकली

नवभारत, जबलपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर द्वारा स्वास्थ्य विभाग की भागीदारी से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हर्रई में जनसंख्या नियंत्रण पर जागरूकता रैली, संवाद, भाषण स्पर्धा और प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला की प्राचार्य शुभा उपाध्याय, सीएचओ मिनाली सैमसन, स्वास्थ्य सुपरवाइजर मनीष वासनिक सहित शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सीबीसी के प्रभारी एस के चौकसे ने बढ़ती आबादी को देश की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए शहरीकरण, बेरोजगारी और पर्यावरण के संकटों का उल्लेख किया। वहीं प्राचार्य शुभा उपाध्याय ने कहा कि बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के प्रभाव के प्रति जागरूक होना जरूरी है और अब इस धरती को ज्यादा जन की नहीं बल्कि ज्यादा वन की आवश्यकता है।

छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित हुई स्पर्धाएं

समारोह के दौरान सीएचओ मिनाली सैमसन ने सुरक्षित मातृत्व तथा टीकाकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जबकि स्वास्थ्य सुपरवाइजर मनीष वासनिक ने बढ़ती हुई आबादी के दुष्प्रभावों और नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की। इसके बाद जनसंख्या नियंत्रण के प्रभावी उपाय विषय पर आयोजित भाषण स्पर्धा के उत्कृष्ट विजेताओं आस्था काछी, सुभद्रा साहू और विश्वास पांडे को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सामान्य जानकारी पर आधारित प्रश्नोत्तरी स्पर्धा के सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसके उपरांत शाला परिसर से संदेशात्मक नारों के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गई।

रेल पुलिस अधीक्षक ने किया औचक निरीक्षण

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर जीआरपी के अंतर्गत आने वाले गाडरवारा रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस अधीक्षक सुंदरसिंह कनेश ने औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया। सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई कि स्टेशन पर काम करने वाले कई हम्मालों के पास रेलवे द्वारा जारी अधिकृत पहचान पत्र नहीं थे।

सुरक्षा के लिहाज से इसे बेहद गंभीर मानते हुए रेल एसपी सुंदर सिंह कनेश ने संबंधित अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने निर्देश दिए कि तत्काल प्रभाव से सभी अधिकृत हम्मालों का सत्यापन कर उन्हें पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, बिना अनुमति और बिना आईडी कार्ड के कार्य करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए।

दिखी भारी चूक के साथ लापरवाही उजागर

रेल एसपी ने स्टेशन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी बारीकी से मुआयना किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली को चेक किया और जीआरपी की ड्यूटी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रियों की सुरक्षा और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी सुरक्षा व्यवस्थाओं की नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि रेलवे स्टेशन पर तैनात प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करना सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य है। किसी भी अपरिचित व्यक्ति का परिसर में संदिग्ध रूप से घूमना या कार्य करना सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बीमा सबके लिए का विजन बढ़ाने आईआरडीएआई की अनूठी पहल

नवभारत, जबलपुर। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के चेयरमैन अजय सेठ ने 'बीमा सबके लिए' विजन के तहत जीवन बीमा अवधारणाओं को आसान बनाने के उद्देश्य से एक उपभोक्ता जागरूकता कॉमिक बुक श्रृंखला का अनावरण किया।

यह श्रृंखला युवा सलाहकार सुप्रिया की रोजमर्रा की कहानियों के माध्यम से विवाहित महिला संपत्ति अधिनियम (एमडब्ल्यूपी), वेवर ऑफ प्रीमियम और गंभीर बीमारी राइडर को सरलता से समझाती है। लाइफ इंश्योरेंस काउंसिल के महासचिव आदित्य गुप्ता और आईएसी-लाइफ के अध्यक्ष कमलेश राव ने इसे परिवारों की वित्तीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जीवन बीमा उद्योग ने नए व्यवसाय प्रीमियम में 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की और 2.83 करोड़ से अधिक पॉलिसियां जारी की हैं।

वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पैनल चर्चा

इस अवसर पर 'इंडिया आस्क्स: व्हाई प्रायोरिटाइज लाइफ इंश्योरेंस?' विषय पर एक विचारोत्तेजक पैनल चर्चा भी की गई, जिसका संचालन स्वतंत्र वित्तीय पत्रकार सोनिया शेनॉय ने किया। चर्चा में आईएसी के अध्यक्ष कमलेश राव, एलआईसी के प्रबंध निदेशक दोराईस्वामी, पीएनबी मेटलाइफ के एमडी एवं सीईओ समीर बंसल तथा इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ रुशभ गांधी शामिल हुए। उद्योग जगत के इन प्रमुख ने प्रोटेक्शन गैप को कम करने और सुरक्षा संबंधी समाधानों को व्यापक रूप से अपनाने पर जोर दिया। उनका मानना है कि वर्तमान में बीमा की पैठ देश की आर्थिक प्रगति की गति के अनुरूप नहीं है, इसलिए प्रत्येक भारतीय परिवार तक सुरक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

शातिर चोरों से 6 .42 लाख का चोरी का माल बरामद

कटनी, नवभारत। कटनी जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को रिमांड पर लेकर बड़ी सफलता हासिल की है। जिला जेल से न्यायालय की अनुमति के बाद रिमांड पर लिए गए दोनों आरोपियों से पुलिस ने सोने-चांदी के जेवरात, एंड्रॉइड मोबाइल फोन सहित कुल 6 लाख 42 हजार 500 रुपये का चोरी का माल बरामद किया है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने ट्रेनों में चोरी की कई वारदातें कबूल कीं, जिसके आधार पर जीआरपी ने दो अन्य चोरी के मामलों का भी खुलासा किया है।जीआरपी के अनुसार, जबलपुर के मझौली

निवासी अतिमसिंह खंगार और शरद उर्फ गोलू झारिया कटनी जिला जेल में न्यायिक अभिरक्षा में बंद थे। चोरी के एक प्रकरण में दोनों को न्यायालय से पुलिस रिमांड पर लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी करने की वारदातों का खुलासा किया और अपनी निशानदेही पर जीआरपी कटनी में दर्ज दो अन्य चोरी के मामलों का भी राज खोला।

जेवर सहित मोबाइल फोन किए बरामद

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक सोने की अंगूठी, दो जोड़ी चांदी की पायल तथा विभिन्न कंपनियों के पांच एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत 6 .42 लाख रुपये आंकी गई है। जीआरपी ने जब्ती और पूछताछ से संबंधित सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। इसके बाद दोनों आरोपियों को पुनः न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उनके खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जीआरपी का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चोरी के अन्य मामलों की भी जांच जारी है।

स्वास्थ्य सुविधा की सामने आयी शर्मनाक तस्वीर

प्रसूता को प्रसव कराने कांधे पर लादकर ले जाते दिखे परिजन और ग्रामीण

नवभारत उमरिया 11 जुलाई। जिले से स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोलती एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई हैं, जहां एक प्रसूता को प्रसव पीड़ा उपरांत कांधे पर लादकर परिजन और ग्रामीण अस्पताल ले जा रहे हैं।

मामला ग्राम पंचायत देवरा का हैं, जहां सड़क में कीचड़ होने के कारण कोई भी वाहन गांव नहीं पंहुच पा रहा हैं और इसी वजह से प्रसव पीड़ित महिला के परिजनों ने जब 108 एम्बुलेंस को कॉल किया तो एम्बुलेंस चालक ने गांव के भीतर एम्बुलेंस लाने से मना कर दिया, जिसके बाद परिजन प्रसव पीड़िता को कांधे पर लादकर नेशनल हाईवे तक पंहुचे, जिसके बाद एम्बुलेंस उसे अस्पताल लेकर पंहुची, जहां प्रसूता ने सुरक्षित बच्चे को जन्म दिया।

गांव में वर्षों से नहीं है सड़क

बता दें ग्राम देवरा उमरिया जिले की सीमा पर स्थित बैगा बाहुल्य गांव हैं और इसे सेना के शहीद स्वागत भूप सिंह के नाम से भी जाना जाता हैं। इस गांव में वर्षों से सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीण लगातार परेशान रहते हैं। बैगा बाहुल्य गांव में प्रधान मंत्री जनमन योजना योजना से करोंड़ो रूपये की लागत से सड़क निर्माण स्वीकृत किया गया, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के कारण ग्रामीणों को मशक्कत का सामना करना पड़ता है।

आरोप | पुल निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप

अधिकारी और ठेकेदार लगा रहे सरकारी योजना को पलीता

नवभारत नौरोजाबाद 11 जुलाई। एक तरफ मध्यप्रदेश की डबल इंजन की मोहन सरकार लोगों की मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, सड़क, पुलनिर्माण आदि लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है ताकि लोगो का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके, लेकिन उच्च विभागों में बैठे अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिलकर सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का ग्रहण लगा रहे है।

ताजा मामला उमरिया जिले के नौरोजाबाद तहसील अंतर्गत ग्राम देवरी मजरा और महुरी के ग्रामीणों द्वारा दोनों गांवों के बीच मे स्थित घोड़छत्र नदी में पुल निर्माण को लेकर वर्षों से मांग की जा रही थी, ग्रामीणों की मांग के आधार पर लगभग दो वर्ष पूर्व घोड़छत्र नदी पर पुल निर्माण का कार्य मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा स्वीकृत कर दिया गया।

निर्माण स्थल में नहीं लगा है कोई बोर्ड

सूत्रों की माने तो लगभग एक वर्ष पूर्व से करोड़ों की लागत से बनने वाले पुल निर्माण का ठेका सेतुबंध विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप लगाते हुए कहा कि न तो निर्माण स्थल में कोई बोर्ड लगा है, जिससे पता चल सके कि किस विभाग द्वारा पुल निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, साथ ही आवागमन करने वाले लोगों के सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेडियम इंडिकेशन भी नहीं लगाया गया है।